श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट नई दिल्ली की ओर से विनम्र अनुरोध

1. सभी सत्संगों में सत्संग परिसर में मौन रहने व रखने के लिए, बातें नहीं करने के लिए मोबाईल फोन एवं अन्य इलैक्ट्रॉनिक यन्त्र पूर्णतया बन्द रखने के लिए जोर दिया जाए। समय समय पर इस निवेदन को दोहराते रहें ताकि सभी के स्वभाव में आ जाए।

2. अतिशय विनम्रता, धैर्य, क्षमा व सहनशीलता के लिए भी सक्रिय कार्यकर्त्ताओं से बार बार निवेदन किया जाए। वरिष्ठ जन स्वयं को वैसा बनाने के लिए प्रयास रत रहें ताकि अन्य भी उसका अनुसरण कर सकें।

3. किसी की भी कमी या दोष नहीं देखने हैं। गुरुजनों से प्रार्थना करें कि हमारे अन्दर की कमियां, दोष व दुर्गुण दूर हों। किसी को कुछ कहने की आवश्यकता हो तो अकेले में, प्यार व संकोच से अथवा सम्भव हो तो अप्रत्यक्ष उदाहरण देकर समझाने का प्रयास करें। किसी को बुरा लगे, ऐसा व्यवहार नहीं हो, न ही किसी की किसी बात या व्यवहार का बुरा माने।

4. श्री रामशरणम् मन्दिर, सत्संग हॉल व परिसर में एवं अन्य कहीं भी पैर छून–छुलाने का प्रयास नहीं करें। सार्वजनिक रुप से प्रदर्शन पूर्णतया वर्जित होना चाहिए। यही गुरुजनों को अच्छा लगेगा।

5. श्री रामशरणम् के अनुशासन में रहते हुए श्री अमृतवाणी, श्री भक्तिप्रकाश, श्री रामायणसार व श्री स्वामी जी महाराज के भजन, ध्वनियों आदि के शुद्ध व कुशल गायन हेतु अन्य नये व युवा साधकों को प्रोत्साहित करें। वरिष्ठ, पुराने व जानकार साधकों के नेतृत्व में उन्हें सिखाने, सिधाने व प्रशिक्षण देने के प्रयास किए जावें।

6. इसी प्रकार, प्रवचन पीयूष, कथा प्रकाश, श्री गीता जी व अन्य लघु ग्रन्थों के प्रभावी व शुद्ध पाठ के लिए अन्य साधकों को भी प्रशिक्षित कर तैयार किया जावे। यह कार्य सतत् होते रहना चाहिए।

7. **"श्रीरामशरणम् : संक्षिप्त परिचय"** के रुप में ट्रस्ट द्वारा सभी को प्रचार कार्य हेतु उपलब्ध कराने के लिए 4 पृष्ठ की प्रचार सामग्री तैयार की गई है। इसकी प्रतियां आवश्यकतानुसार दिल्ली ट्रस्ट से प्राप्त की जा सकती हैं अथवा साहित्य आदि के ऑर्डर के साथ मंगाई जा सकती हैं। इसके अन्त में स्थानीय केन्द्र का पता, दैनिक व साप्ताहिक सत्संग का समय व सम्पर्क हेतु फोन न. सहित सील बनवा कर लगा देवें। एक रुपता रहे इसलिए इस सम्बन्ध में पृथक से अन्य प्रचार सामग्री छपवाने की आवश्यकता नहीं है।

8. स्थानीय विशेष कार्यक्रमों की जानकारी की प्रचार सामग्री में अथवा अन्यथा भी किसी भी पदाधिकारी के नाम, पदनाम लिखने की परम्परा श्रीरामशरणम् में नहीं है। स्वयं को पीछे रखकर, बिना यश कामना के, मौन भाव से सभी सेवा कार्य हों, यह गुरुजनों को अच्छा लगता है। अतः कृपया इसका सावधानीपूर्वक पालन हो, यह ध्यान रहे।

9. इस मीटिंग की सूचना के साथ, साधना सत्संग में सम्मिलित होने के लिए नाम भेजने के सम्बन्ध में, भेजे गए अनुशासन व नियमों के बारे में ब्रीफिंग हेतु **'निवेदन'** शीर्षक के पत्र व पूर्व में भेजे गए निवेदन का सभी संचालक, प्रबन्धक तत्परतापूर्वक पालन करें व करायें। अपने केन्द्र की ईमेल आई डी बनाते समय शहर का नाम अवश्य शामिल करें। जो भी सामग्री दिल्ली से भेजी जाए उसे नोटिस बोर्ड पर भी डिसप्ले करते रहें।

10. श्रीरामशरणम् की वेबसाईट पर सभी सैंटर्स के कार्यक्रमों के विवरण व पते अपडेट हो सकें इसके लिए फार्म का प्रारुप जल्दी ही श्रीरामशरणम् की वेब साईट पर उपलब्ध रहेगा, कृपया उसे भर कर ईमेल या डाक द्वारा भिजवा देवें।

11. श्रीरामशरणम् की वेब साईट के बारे में सभी को जानकारी देते रहें, ताकि साधकगण सतत् रुप से लॉग ऑन कर अधिकाधिक लाभ ले सकें।

12. श्रीरामशरणम् के कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी, फोंटोग्राफी वर्जित है। यदि किसी विशेष कारण से आवश्यकता प्रतीत हो तो स्थानीय प्रबन्धक, दिल्ली ट्रस्ट से स्पष्ट अनुमति प्राप्त करें। उसका पालन करें।